2013

HINDI

(Major)

Paper : 2.2

(Ritikalin Kavya Dhara)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) रीतिकाल को 'कलाकाल' किसने कहा है?

(ख) रीतिकालीन कवियों की कितनी श्रेणियाँ हैं?

(ग) रीतिकालीन कवियों में से कौन अलंकारवादी आचार्य हैं?

(घ) बिहारी किसके दरबारी कवि थे?

(ङ) 'कवित्त रत्नाकर' के रचयिता का नाम क्या है?

(च) रामचन्द्र शुक्ल जी ने देव के कितने ग्रन्थों को प्रामाणिक माना है?

(छ) भूषण को 'कवि भूषण' का सम्मान किसने दिया था?

(ज) घनानंद का सर्वाधिक प्रसिद्ध ग्रन्थ कौन-सा है?

(झ) मतिराम के जन्मस्थान का नाम क्या है?

(ञ) 'रीति-काव्य की भूमिका' नामक ग्रन्थ किसने लिखा है?

2. अति संक्षेप में जवाब दीजिए : 2×5=10

(क) 'विज्ञान गीता' काव्य के नामकरण की सार्थकता किस प्रकार सिद्ध होती है?

(ख) बिहारी के दोहों में सर्वाधिक चर्चित विषय क्या है?

(ग) सेनापति के प्रति आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी की क्या मान्यता है?

(घ) 'स्यामु हरित दुति होइ' का आशय क्या है?

(ङ) 'ब्रजादपि' का प्रसंग किस कवि की चर्चा में आता है? इसका खुलासा कीजिए।

3. संक्षेप में उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) पठित पाठ में पंचवती के प्रभाव को शिव-महिमा के समान बताया गया है? इस प्रसंग को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

राम से भेंट होते ही परशुराम ने उन्हें कामदेव क्यों समझ लिया था?

(ख) "काको मन बांधे न यह, जूरौ बाँधन हारि"—बिहारी की इस पंक्ति में बाँधने और न बाँधने का आशय क्या है?

अथवा

'बिहारी सतसई' और 'मतिराम सतसई' दोनों की समानता के बारे में लिखिए।

(ग) शृंगारी कवि देव की विशेषताएँ रेखांकित कीजिए।

अथवा

घनानंद के काव्य-स्वरूप का परिचय दीजिए।

(घ) भूषण के कवि-व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

चिंतामणि त्रिपाठी के जीवन-वृत्त पर प्रकाश डालिए।

4. अधोअंकित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) अति अमल ज्योति नारायनी कही
'केसव' बुझि जाइ बरू।
भृगुनंद संभारु कुठार मैं
कियो सरासन जुक्त सरु॥

अथवा

भूषण-भारू संभारिहै, क्यों इहि तन सुकुमार।
सुधे पाइ न घर परै सोभा ही कैं भार॥

(ख) कारी कूर कोकिला! कहाँ को बैर काढ़ति री,
कूकि कूकि अब ही करेजो किन कोरि लै।
पैड़े परे पापी ये कलापी निस द्योस ज्यौं ही,
चातक! घातक त्यौं ही तू हू कान फोरि लै।

अथवा

राधे ह्वै जावत है छिन में, वह
प्रेम की पाती लै छाती लगावै।
आपु ते आपुन ही उरझै,
सुरझै बिरुझै समुझै समुझावै॥

5. रीति-काव्य के रचयिता की दृष्टि से केशवदास का विवेचन कीजिए। 12

अथवा

पठित दोहों के आधार पर बिहारी-काव्य के कलापक्ष पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

6. "घनानन्द रीतिकाल के ही नहीं, हिन्दी के सशक्ततम कवियों में से एक हैं।"

इस तथ्य की पुष्टि कीजिए। 12

अथवा

कवि-व्यक्तित्व के आधार पर देव का मूल्यांकन कीजिए।

★★★